कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (76) खण्ड - {151}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- क्या याद रहे तो भी सदैव खुशी रहे ?

A- स्वदर्शन चक्र

B- बाप

C- यह नाटक

D- पढ़ाई

प्रश्न 2- याद खिसक क्यो जाती है ?

A- बुद्धि में स्मृति न होने के कारण

B- आत्मा पवित्र न होने के कारण

C- देह अभिमान होने के कारण

D- परचिन्तन करने के कारण

प्रश्न 3- एक की बात दूसरे को सुनाना परचिन्तन करना माना जाता है ?

A- डिस सर्विस

B- डिस रिगार्ड

C- मनमत

D- धूतीपना

प्रश्न 4- किस शक्ति द्वारा रांग को भी राइट बना सकते हैं -

A- परखने की शक्ति

B- समाने की शक्ति

C- निर्णय शक्ति

D- सहन शक्ति

प्रश्न 5- देह अभिमानी बुद्धि को कहते हैं ?

A- छी-छी कहा जाता है।

B- कांटा कहा जाता है।

C- विकारी कहा जाता है।

D- माया का दूसरा रूप कहा जाता है।

प्रश्न 6- बाप कहते हैं रांग राइट तो सोचने की बुद्धि मिली है तो अब क्या नहीं करना है ?

A- रांग काम

B- आसुरी कर्म

C- गलत कर्म

D- विकर्म

प्रश्न 7- मनुष्य को कितना तुम समझाते हो फिर भी बुद्धि में बैठता नहीं क्योंकि -

A- पत्थर बुद्धि है।

B- देह अभिमानी हैं।

C- कलियुग है।

D- भक्ति मार्ग में फँसे है।

प्रश्न 8 - अचल अडोल कब बनेंगे ?

A- निश्चय बुद्धि रहने से

B- ड्रामा का राज समझने से

C- एक बल एक भरोसे के आधार से

D- स्व स्थिति में रहने से

प्रश्न 9- जहाँ नम्रता होगी वहां क्या अवश्य ही होगा ?

A- सहयोग

B- सुख

C- स्नेह और सहयोग

D- सम्मान

प्रश्न 10- दैवी सम्बन्ध में कितने जन्म होते हैं -

A- 20

B- 21

C- 8

D- 12

प्रश्न 11- तुम पढ़ रहे हो -

A- नयी दुनिया के लिए

B- प्रिंस प्रिन्सेज बनने के लिए

C- देवी देवता बनने के लिए

D- पावन बनने के लिए

प्रश्न 12- सबसे बड़ी सेवा है -

A- किसी को भी सुख देना

B- किसी को भी दुआ देना

C- किसी को भी खुशी देना

D- किसी को भी संतुष्ट करना

प्रश्न 13- किन के मुख से कभी व्यर्थ वा साधारण बोल नहीं निकल सकते-

A- श्रेष्ठ संकल्प धारी आत्माओं के

B- स्वमान धारी आत्माओं के

C- रुहानी रॉयल आत्माओं के

D- विजयी रत्न आत्माओं के

प्रश्न 14- सबसे बड़ा भाग्य है -

A- दुआएँ जमा करना

B- सेवा करना

C- निर्बल आत्माओं में बल भरना

D- मेहमान नवाजी करना

प्रश्न 15- बाबा टाइम भी देते हैं। अच्छा -

A- रात को 10 बजे सो जाओ फिर 3-4 बजे उठकर याद करो।

B- रात को 9 बजे सो जाओ फिर 2-3 बजे उठकर याद करो।

C- रात को 9 बजे सो जाओ 2-4 बजे उठकर याद करो।

D- रात को 10 बजे सो जाओ फिर 4 बजे उठ कर याद करो।

प्रश्न 16- समझों स्त्री अथवा बच्चा तुम्हारा कहना नहीं मानते हैं तो..... हैं ?

A- सपूत

B- कपूत

C- डिसरिगार्ड करते

D- अवज्ञा करते

भाग (76) खण्ड {151} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.यह नाटक*

आज राजा है, कल उसको उतार देते हैं। अखबार में बहुत ऐसी-ऐसी बातें पड़ती हैं, जिसका रेस्पॉन्ड दिया जाए तो कुछ समझें। *यह नाटक है, यह याद रहे तो भी सदैव खुशी रहे।* बुद्धि में है ना - आज से 5 हज़ार वर्ष पहले शिव-बाबा आया था, आकर राजयोग सिखाया था। लड़ाई लगी थी। अभी यह सब राइट बातें बाप सुनाते हैं।

उत्तर 2- *B.आत्मा पवित्र न होने के कारण*

*आत्मा पवित्र न होने कारण याद खिसक जाती है। * हमको भगवान पढ़ाते हैं यह याद खिसक जाती है। हम बाबा के स्टूडेन्ट हैं। बाबा कहते रहते हैं - याद की यात्रा पर रहो। बाप हमको पढ़ाकर यह बना रहे हैं। सारा दिन यह स्मृति आती रहे।

उत्तर 3- *D.धूतीपना*

बाप से बेमुख करने वाला मुख्य अवगुण है - एक दूसरे का परचिंतन करना। ईविल बातें सुनना और सुनाना। बाप का डायरेक्शन है तुम्हें ईविल बातें सुननी नहीं है। इनकी बात उनको, उनकी बात *इनको सुनाना यह धूतीपना* तुम बच्चों में नहीं होना चाहिए।

उत्तर 4- *B.समाने की शक्ति*

हर एक सिर्फ यह जिम्मेवारी उठा लो कि मैं राइट के मार्ग पर ही रहूंगा, *अगर दूसरा रांग करता है तो उस समय समाने की शक्ति यूज करो।* किसी की गलती को नोट करने के बजाए उसको सहयोग का नोट दो अर्थात सहयोग से भरपूर कर दो तो विश्व परिवर्तन का कार्य सहज ही हो जायेगा।

उत्तर 5- *A.छी-छी कहा जाता है*

तुम बच्चों में भी नम्बरवार हैं जिनको धारणा होती है। *देह-अभिमानी बुद्धि को छी-छी कहा जाता है।* देही-अभिमानी को गुल-गुल (फूल) कहा जाता है। अभी तुम फूल बनते हो। देह-अभिमानी रहने से काँटे के काँटे रह जाते।

उत्तर 6- *A.रांग काम*

कुछ भी भूल हो तो झट सुनाना चाहिए। बाबा हमसे यह भूल हुई। कर्मेन्द्रियों से यह भूल की। *बाप

कहते हैं रांग राइट तो सोचने की बुद्धि मिली है तो अब रांग काम नहीं करना है।* रांग काम कर दिया - तो बाबा तोबां-तोबां, क्षमा करना क्योंकि बाप अभी यहाँ बैठे हैं सुनने के लिए। जो भी बुरा काम हो जाए तो फौरन बताओ वा लिखो - बाबा यह बुरा काम हुआ तो तुम्हारा आधा माफ हो जायेगा।

उत्तर 7- *A.पत्थर बुद्धि*

जैसे अजमेर में सोनी द्वारिका है, तो उनमें से भी सीन सीनरी लेकर नई दुनिया अलग बनाकर फिर दिखाओ। इस पुरानी दुनिया को आग लगनी है, इनका भी नक्शा तो है ना। और यह नई दुनिया इमर्ज हो रही है। ऐसे-ऐसे ख्याल कर अच्छी रीति बनाना चाहिए। यह तो तुम समझते हो। *इस समय मनुष्यों की बिल्कुल है जैसे पत्थरबुद्धि।* कितना तुम समझाते हो फिर भी बुद्धि में बैठता नहीं।

उत्तर 8- D.स्व स्थिति में रहने से

आप जब एक बारी अंगद के समान मजबूत हो जायेंगे तो यह पेपर भी नमस्कार करेंगे। पहले विकराल रूप में आयेंगे और फिर दासी बन जायेंगे। चैलेन्ज करो हम महावीर हैं। जैसे पानी के ऊपर लकीर ठहर नहीं सकती, ऐसे मुझ मास्टर सागर के ऊपर कोई परिस्थिति वार कर नहीं सकती। *स्व-स्थिति में रहने से अचल-अडोल बन जायेंगे।

उत्तर 9- *C.स्नेह और सहयोग*

अगर कोई रांग भी करता तो आप राइट रहो। कोई टक्कर लेता है तो भी आप उसे स्नेह का पानी दो। यह क्यों, ऐसा क्यों-यह संकल्प करके आग पर तेल नहीं डालो। नम्रता का कवच पहनकर रहो। *जहाँ नम्रता होगी वहाँ स्नेह और सहयोग भी अवश्य होगा।*

उत्तर 10- *A. 20*

अब कर्म-बन्धन को तोड़ना है। बुद्धि में है हम इस समय ब्राह्मण सम्बन्ध में हैं फिर दैवी सम्बन्ध में जायेंगे। ब्राह्मण सम्बन्ध का यह एक ही जन्म है। *फिर 8 और 12 जन्म दैवी सम्बन्ध में होंगे।* यह ज्ञान बुद्धि में है इसलिए कलियुगी छी-छी कर्मबन्धन से जैसे ग्लानि करते हैं।

उत्तर 11- *B.प्रिंस प्रिन्सेज बनने के लिए*

सबके लिए पढ़ाई एक ही है। यह भी कहते हैं हम राजयोग सीखते हैं। फिर हम जाकर प्रिन्स बनेंगे। तुम भी कहते हो हम प्रिन्स-प्रिन्सेज़ बनेंगे। *तुम पढ़ रहे हो प्रिन्स-प्रिन्सेज बनने के लिए।* अन्त मती सो गति हो जायेगी। बुद्धि में यह निश्चय है हम बेगर से प्रिन्स बनने वाले हैं। यह बेगर दुनिया ही खत्म होनी है।

उत्तर 12- *D.किसी को भी सन्तुष्ट करना*

संगमयुग पर आलराउन्ड सेवा का चांस मिलना - यह भी ड्रामा में एक लिफ्ट है, जो प्यार से यज्ञ की आलराउन्ड सेवा करते हैं उन्हें सर्व प्राप्तियों का प्रसाद स्वत:प्राप्त हो जाता है। वे निर्विघ्न रहते हैं। *किसी को भी सन्तुष्ट करना - यह सबसे बड़ी सेवा है।*

उत्तर 13- *C.रुहानी रॉयल आत्माओं के*

जैसे दुनिया की रॉयल आत्मायें कभी छोटी-छोटी बातों में, छोटी चीज़ों में अपनी बुद्धि वा समय नहीं देती, देखते भी नहीं देखती, सुनते भी नहीं सुनती, ऐसे आप रूहानी रॉयल आत्मायें किसी भी आत्मा की छोटी-छोटी बातों में, जो रॉयल नहीं हैं उनमें अपनी बुद्धि वा समय नहीं दे सकते। *रूहानी रॉयल आत्माओं के मुख से कभी व्यर्थ वा साधारण बोल भी नहीं निकल सकते।*

उत्तर 14- *D.मेहमान नवाजी करना*

एक बारी सेवा की और हजार बार सेवा का फल प्राप्त हो गया। सदा स्थूल सूक्ष्म लंगर लगा रहे। किसी को भी सन्तुष्ट करना - यह सबसे बड़ी सेवा है। *मेहमान निवाजी करना, यह सबसे बड़ा भाग्य है।*

उत्तर 15- *B.रात को 9 बजे सो जाओ फिर 2-3 बजे उठ कर याद करो*

जो बच्चे अपना पूरा-पूरा पोतामेल बाप को भेज देते हैं बाबा उन्हें ही अपनी राय देते हैं। बच्चों को बताना चाहिए हम बाप को कैसे याद करते हैं? कब याद करते हैं? फिर बाप राय देंगे। *बाबा टाइम भी देते हैं। अच्छा, रात को 9 बजे सो जाओ फिर 2-3 बजे उठकर याद करो।*

उत्तर 16- *B.कपूत*

अभी बाप कहते हैं वह धंधा आदि भी करो सिर्फ एक हफ्ता यह अच्छी रीति समझो। गृहस्थ व्यवहार भी

सम्भालना है। रचना की पालना भी करनी है। वह तो रचकर फिर भाग जाते हैं। बाप कहते हैं तुमने रचा है तो फिर अच्छी रीति सम्भालो। *समझो स्त्री अथवा बच्चा तुम्हारा कहना मानते हैं तो सपूत हैं। नहीं समझते हैं तो कपूत हैं।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (76) खण्ड - {152}

प्रश्न 1- जैसे कन्या पति के साथ मिलती है। तो जेवर आदि पहनती है तो मुखड़ा ही खिल जाता है। वह मुखड़ा खिलता है -

A- दुःख पाने के लिए

B- सदा सुख पाने के लिए

C- नए घर में जाने के लिए

D- साजन के साथ के लिए

प्रश्न 2- बाप में बच्चों का लव रहता है। क्योंकि -

A- बाप का भी बच्चों में बहुत लव रहता है

B- समझेंगे इससे पैसा मिलेगा।

C- बाप रचता है

D- बाप से वर्सा मिलता है

प्रश्न 3- शिवोहम् का अर्थ है -

A- ओम् नमः शिवाय

B- हम सो सो हम

C- मैं शिव हूँ

D- मैं आत्मा शिव को नमन करती हूं

प्रश्न 4- गीता में कौनसे अक्षर ठीक हैं जिसे कहा जाता है आटे में नमक ?

A- भगवानुवाच

B- मनमनाभव,

C- मध्याजी भव

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- अपार खुशी में रहने के लिए ?

A- सदा श्रीमत पर चलो

B- निश्चय हो कि भगवान हमें पढ़ाते हैं

C- पुण्य कर्म ही करो

D- न दुःख दो न दुःख लो

प्रश्न 6- तुम आये हो क्या बनने ?

A- स्वर्गवासी सुन्दर

B- पावन

C- देवता

D- श्री लक्ष्मी श्री नारायण

प्रश्न 7- नम्बरवन मत है -

A- बाप को याद करो

B- पावन बनो

C- स्वयं को आत्मा निश्चय करो

D- कमल फूल समान बनो

प्रश्न 8- हर एक धर्म वाले की क्या अलग है ?

A- शक्ल

B- धर्म का शास्त्र

C- पारलौकिक पिता

D- A और B

E- A, B, और C

प्रश्न 9- कौन से अक्षर बहुत मीठे हैं ?

A- बाबा

B- मम्मा

C- शान्तिधाम

D- A और B

प्रश्न 10- .....में आने से संस्कार आसुरी बन जाते हैं ?

A- द्वैत में आने से

B- रावणराज्य में

C- देह-अभिमान

D- गिरती कला में आने से

प्रश्न 11- आसुरी संस्कारों को बदलकर दैवी संस्कार बनाने के लिए कौन-सा विशेष पुरुषार्थ चाहिए ?

A- ज्ञान रत्नों की कमाई

B- देही-अभिमानी रहने का अभ्यास करो

C- निरंतर याद

D- सम्पूर्ण पावन बनने का

प्रश्न 12- पहले पहले समझाना होता है ?

A- हम आत्मा हैं

B- यहाँ भगवान पढ़ाते हैं

C- बाप का परिचय

D- हम आत्मा भाई भाई हैं

प्रश्न 13- अब किसी को भी वाणी से सावधान करने का समय नहीं लेकिन -

A- मन्सा शुभ भावना द्वारा एक दूसरे के सहयोगी बनकर आगे बढ़ो और बढ़ाओ

B- साथी बनाकर पार ले जाना

C- योग की शक्ति से निर्बल आत्माओं में बल भरो

D- रहम की दृष्टि से परिवर्तन करो

प्रश्न 14- ड्रामा कहाँ होता है ?

A- मूलवतन,

B- सूक्ष्मवतन,

C- स्थूलवतन,

D- उपरोक्त सभी,

प्रश्न 15- बच्चों को खिलाओ, पिलाओ, स्नान कराओ, बुद्धि में बाप की याद हो क्योंकि -

A- याद से ही कर्मातीत बनना है

B- पावन बनना है

C- जानते हो आत्मा पर पापों का बोझ बहुत है

D- अब घर वापस जाना है

प्रश्न 16- बाप ने तुम्हें ..... प्यार करना सिखलाया है ?

A- सबसे

B- आत्मा से

C- शरीर से

D- परमात्मा से

भाग (76) खण्ड {152} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.दु:ख पाने के लिए*

जैसे कन्या पति के साथ मिलती है तो जेवर आदि पहनती है तो मुखड़ा ही खिल जाता है। *वह मुखड़ा खिलता है दु:ख पाने के लिए।* तुम्हारा मुखड़ा खिलता है सदा सुख पाने के लिए। तो ऐसे बाप के पास आने समय कितनी खुशी होनी चाहिए।

उत्तर 2- *D.बाप से वर्सा मिलता है*

जिससे कुछ मिलता है उसमें लव रहता है। *बाप में बच्चों का लव रहता है क्योंकि बाप से वर्सा मिलता है।* जितना जास्ती वर्सा, उतना बच्चे का जास्ती लव रहेगा। अगर बाप के पास कुछ भी प्रापर्टी है नहीं, दादे के पास है तो फिर बाप में इतना लव नहीं रहेगा। फिर दादे से लव हो जायेगा।

उत्तर 3- *C.मैं शिव हूं*

हम आत्मा अब अपने परमपिता परमात्मा से महावाक्य सुन रहे हैं। महावाक्य एक परमपिता परमात्मा के ही हैं जो महान् पुरुष पुरुषोत्तम बनाते हैं। बाकी जो भी महात्मायें गुरू आदि हैं, उनके कोई महावाक्य नहीं हैं। *शिवोहम् जो कहते हैं वह भी सही वाक्य हैं नहीं। शिवोहम् का अर्थ है मैं शिव हूं।*

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

जैसे गीता में भगवानुवाच मनमनाभव, मध्याजी भव यह अक्षर ठीक हैं। इसको कहा जाता है आटे में नमक। अब भगवान किसको कहा जाता है, यह तो बच्चे अच्छी रीति जान गये हैं। भगवान शिवबाबा को कहा जाता है। शिवबाबा आकर शिवालय रचते हैं। आते कहाँ हैं? वेश्यालय में।

उत्तर 5- *B.निश्चय हो कि भगवान हमें पढ़ाते हैं*

बाप जो अविनाशी ज्ञान रत्नों का ख़ज़ाना देते हैं उसका कदर करना है। बेपरवाह बन पाप कर्म नहीं करने हैं। *अगर निश्चय है भगवान हमको पढ़ाते हैं तो अपार खुशी में रहना है।*

उत्तर 6- *A.स्वर्गवासी सुन्दर*

यह है ही पाप आत्माओं की दुनिया। एक भी सुन्दर नहीं। बाप बिगर सुन्दर कोई बना न सके। *तुम आये हो

स्वर्गवासी सुन्दर बनने।* अभी नर्कवासी श्याम हैं क्योंकि काम चिता पर चढ़ काले बने हैं।

उत्तर 7- *A.बाप को याद करो*

बाप रोज़-रोज़ समझाते रहते हैं - बच्चों, श्रीमत पर चलना भूलो मत। इन (ब्रह्मा) की तो बात ही नहीं। उनकी बात समझो। वही इन द्वारा मत देते हैं। वही समझाते हैं। खान-पान खाते नहीं, कहते हैं मैं अभोक्ता हूँ। तुम बच्चों को श्रीमत देता हूँ। *नम्बरवन मत देते हैं मुझे याद करो।* कोई भी विकर्म नहीं करो।

उत्तर 8- *D. A - B*

गीता भी है देवी-देवता धर्म का शास्त्र। तो तुम्हें दूसरे कोई धर्म में जाने से क्या फ़ायदा। हर एक अपनी-अपनी कुरान, बाइबिल आदि ही पढ़ते हैं। अपने धर्म को जानते हैं। एक भारतवासी ही अन्य सब धर्मों में चले जाते हैं। और सब अपने-अपने धर्म में पक्के हैं। *हर एक धर्म

वाले की शक्ल आदि अलग है।* बाप स्मृति दिलाते हैं - बच्चे, तुम अपने देवी-देवता धर्म को भूल गये हो।

उत्तर 9- *D.बाबा मम्मा*

यह सारी रचना उस एक रचता बाप की ही है। उनको सब फादर कहते हैं। जैसे लौकिक बाप को भी फादर ही कहा जाता है। *बाबा और मम्मा यह दोनों अक्षर बहुत मीठे हैं।* रचता तो बाप को ही कहेंगे। वह पहले माँ को एडाप्ट करते हैं फिर रचना रचते हैं।

उत्तर 10- *C.देह-अभिमान*

देह-अभिमान में आने से ही आसुरी संस्कार बनते हैं। बाप आसुरी संस्कारों को दैवी संस्कार बनाने के लिए आये हैं, पुरुषार्थ करो पहले मैं देही आत्मा हूँ, पीछे यह शरीर है।

उत्तर 11- *B.देही-अभिमानी रहने का अभ्यास करो*

आसुरी संस्कारों को बदलने के लिए जितना हो सके *देही-अभिमानी रहने का अभ्यास करो।*

उत्तर 12- *A.हम आत्मा हैं*

अब बाप कहते हैं पहले तो अपने को देही (आत्मा) समझना है तुम बच्चों की बुद्धि में है - हम पहले आत्मा हैं, पीछे शरीर हैं। परन्तु ड्रामा प्लैन अनुसार मनुष्य सब रांग हो गये हैं इसलिए उल्टा समझ लिया है कि पहले हम देह हैं फिर देही हैं।

उत्तर 13- *A.मन्सा शुभ भावना द्वारा एक दूसरे के सहयोगी बनकर आगे बढ़ो और बढ़ाओ*

हर एक की विशेषता को देखो, कमियों को छोड़ते जाओ। अब किसी को भी वाणी से सावधान करने का समय नहीं लेकिन *मन्सा शुभ भावना द्वारा एक दूसरे के सहयोगी बनकर आगे बढ़ो और बढ़ाओ* तब कहेंगे विश्व कल्याणकारी।

उत्तर 14- *C.स्थूल वतन*

अभी तुमको मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूलवतन सब याद है। आगे थोड़ेही जानते थे - सूक्ष्मवतन क्या होता है। अभी तुम समझते हो वहाँ कैसे मूवी में बातचीत करते हैं। मूवी बाइसकोप भी निकला था। तुमको समझाने में सहज होता है। साइलेन्स, मूवी, टॉकी। शान्तिधाम घर है, वहाँ कोई पार्ट नहीं बजाया जाता है *स्थूलवतन में आत्माएँ एक-एक करके जन्म लेकर अपने कर्मों का फल भोगती हैं।* और इस नाटक के अंत में अपने मूल निवास-परमधाम लौट जाती हैं।

उत्तर 15- *C.जानते हो आत्मा पर पापों का बोझ बहुत है*

कहते हैं ना - हाथों से काम करते बुद्धि बाप तरफ रहे। *बच्चों को खिलाओ, पिलाओ, स्नान कराओ, बुद्धि में बाप की याद हो क्योंकि जानते हो आत्मा पर पापों का

बोझ बहुत है* इसलिए बुद्धि बाप की तरफ लगी रहे। उस माशूक को बहुत-बहुत याद करना है।

उत्तर 16- *B.आत्मा से*

तुम आत्माओं का प्यार एक बाप से है, *बाप ने तुम्हें आत्मा से प्यार करना सिखलाया है*, शरीर से नहीं"